भूगोल विभाग

विश्व ओजान दिवस

अतिथि व्यख्यान

16 सितम्बर, 2017

मुख्य वक्ता

डॉ. एस.पी.एल. श्रीवास्तव

प्राचार्य, बापू पी.जी. कालेज, गोरखपुर

महाविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. एस.पी.एल. श्रीवास्तव प्राचार्य, बापू पी.जी. कालेज, गोरखपुर रहे। डॉ. श्रीवास्तव ने इस अवसर पर कहा कि जल, स्थल तथा वायु को एक दूसरे से अलग नही किया जा सकता है। ये तीनों तत्व एक दूसरे के पूरक के रूप में कार्य करते है। वायुमण्डल में उपस्थित ओजोन गैस आक्सीजन का ही परिवर्तित रूप है। यह आक्सीजन के तीन कणों के संलयन से बनती है वायुमण्डल में समतापमण्डल में 15 से 50 किमी की ऊँचाई पर ओजोन गैस पायी जाती है। वायु मण्डल के अन्य गैसों की अपेक्षा इसकी मात्रा बहुत कम मात्र 10पीपीएम होने के बाद भी यह एक महत्वपूर्ण गैस है जो सूर्य से आने वाली खतरनाक परावैगनी किरणों का अवशोषण कर पृथ्वी के जीव जगत की रक्षा करती है। ओजोन का निर्माण स्वयं एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। लेकिन मानव के आर्थिक गतिविधियों के कारण ओजोन परत का विनाश हो रहा है। इसमें क्लोरो–फ्लोरो कार्बन, हेलोन एवं नाइट्रोजन के आक्साइड की भूमिका प्रमुख है। ओजोन परत के क्षरण को कम करने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने 16 सितम्बर को विश्व ओजोन दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। जिससे सामान्य लोगों में भी ओजोन क्षरण के प्रति जागरूता का प्रसार हो सके।

डॉ. श्रीवास्तव ने यह भी कहा कि ओजोन परत के क्षरण से मानव में चर्म कैंसर, मोतिया बिन्दु, प्रतिरक्षा प्रणाली के कमजोर होने की घटनाएँ बढेगी। इसका प्रभाव पौधों एवं जन्तुओं पर भी पड़ रहा है जिससे जैव मण्डल के पारिस्थितिक असंतुलन का खतरा उत्पन्न होता जा रहा है।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने, अतिथियों का स्वागत एवं प्रस्ताविकी भूगोल विभाग के अध्यक्ष श्री भगवान देव ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कमलेश कुमार मौर्य ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. श्रीभगवान सिंह, डॉ. आर.एल. गाडिया, डॉ. धीरेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. आर.पी. यादव, डॉ. अनूप राय, डॉ. अनुपमा, डॉ. रविन्द्र कुमार, डॉ. संजीत सिंह के साथ भारी संख्या में छात्र एवं छात्राएँ उपस्थित रहे।